प्रदेश के कई जिलों में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

हिण्डौन सिटी, करौली, चाकसू, देवली, श्रीमाधोपुर, निवाई, चौमूं, कामां सहित कई शहरों और गांवों में मूसलाधार बरसात हुई

हिण्डौन में चार घंटे में चार इंच बारिश से कॉलोनियां, सड़कें व निचले इलाके जलमग्न

हिण्डौन सिटी शहर सहित आसपास के क्षेत्र में बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए।

- सड़कों पर पानी भरने से स्कूली बच्चों, मरीज, कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा
- डांग क्षेत्र में हुई बारिश से जगर बांध में शनिवार सुबह तक 12 फीट पानी की आवक हुई

हिण्डौन सिटी, (निसं)। शहर सहित आसपास के क्षेत्र में शनिवार सुबह चार घण्टे में चार इंच बारिश दर्ज की गई। शनिवार सुबह छह बजे से लगातार दस बजे तक झमाझम बारिश का दौर चला। बारिश के कारण शहर की कालोनियां, सड़कें एवं निचले इलाके जलमग्न हो गए। गत लगभग एक सप्ताह से चल रहे बारिश के रुक-रुककर चले दौर के बाद दोपहर बाद मौसम बिल्कुल साफ हो गया।

सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता उम्मेद सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात से शनिवार सुबह 6 बजे से 10 बजे तक 99 एमएम (चार इंच) बारिश दर्ज हुई। इस दौरान जगर बांध में 20 एमएम बारिश दर्ज हुई। इसके बाद भी घने बादल छाए हुए हैं। इधर भारी बारिश के कारण कई कॉलोनियों, सड़कों पर दो से तीन फीट पानी भर गया। शहर के चौबेपाड़ा, दुब्बेपाड़ा, जाट की सराय, शीतला कॉलोनी आदि क्षेत्र में घरों में पानी घुस गया। जिला अस्पताल, मोहन नगर गर्ल्स स्कूल परिसर पानी से लबालब दिखे। सड़कों पर पानी भरने से स्कूली बच्चों व मरीज, सरकारी कर्मचारियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। डेंप रोड व कटरा बाजार में सैकड़ों दुकानों में पानी भर गया। वहीं हिंडौन-बयाना मार्ग पर मनीराम पार्क के पास सड़कें दरिया बन गई। डांग क्षेत्र में हुई जोरदार बारिश के कारण जगर बांध में 12 फीट पानी की सुबह सात बजे तक आवक हो चुकी है। तेज बारिश के कारण दुब्बेपाड़ा में सड़क से पांच फीट व चौबेपाड़ा में भी ऊंचे मकान में भी पानी भर गया। मनीराम पार्क के सामने उमाशंकर सत्संग भवन में शिवालय में शिव परिवार की प्रतिमाएं पानी में पूरी तरह डूब गई। नीम का बाजार स्थित हरदेव जी मंदिर के समीप प्राचीन दहलीज का हिस्सा बारिश के कारण गिर गया। गनीमत रही कि बड़ा हादसा नहीं हुआ।

वहीं दूसरी ओर हिण्डौन शहर के कटरा बाजार, कंबलवाल गली, सराफा बाजार, डेम्प रोड, मोहन नगर, शीतला चौराहा सहित कई इलाकों में पानी भर गया। कटरा बाजार की दर्जनों दुकानों में कई फीट पानी भरने से व्यापारियों का लाखों रुपए का नुकसान हो गया। शनिवार सुबह से चल रहे बारिश के दौर के कारण कई निजी स्कूलों में बच्चों की छुट्टियां भी कर दी गई।

चाकसू में तीन दिन से लगातार बारिश, कई इलाके लबालब

चाकसू कस्बे के बीचों-बीच स्थित मनहोरा तालाब ओवरफ्लो हो गया।

- निचले इलाकों और कच्चे-पक्के रास्तों में पानी भरा

चाकसू, (निसं)। मौसम विभाग की चेतावनी के मुताबिक क्षेत्र में तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। आसमान से बरस रहे पानी से विधानसभा क्षेत्र के अधिकांशत: तालाब ओवरफ्लो हो गए हैं। बारिश से नगर पालिका क्षेत्र के निचले इलाकों और कच्चे-पक्के रास्तों में पानी भर गया है। बहुत से आम रास्ते तो कीचड़ में पसरे पड़े हैं जिससे लोगों का आवागमन दुश्वार हो गया है।

कस्बे के मध्य में स्थित मनोहरा तालाब ओवरफ्लो हो गया है। मनोहर तालाब के पानी निकासी का प्रशासन द्वारा उचित प्रबंध नहीं होने से कृषि मंडी के इलाके में बसी कच्ची बस्ती पर खतरा मंडराने लगा है। मनोहर तालाब के ओवरफ्लो होने पर आसपास के इलाकों में बने मकानों के बेसमेंट में पानी भरना शुरू हो गया है। वार्ड पार्षद दिनेश शर्मा एवं आसपास के इलाकों के लोगों ने बताया कि मनोहर तालाब के ओवरफ्लो होने के कारण चम्पेश्वर कॉलोनी, आईडीएसएमटी कॉलोनी, चम्पेश्वर मंदिर के स्थित कॉलोनी तालाब की पाल पर स्थित खेतों और पास की सड़कों से लगातार पानी बहकर जा रहा है। आसपास के मकानों में धीरे-धीरे पानी जाने लगा है। पार्षद शर्मा ने नगर पालिका प्रशासन से आग्रह किया है कि अति शीघ्र पानी निकासी को लेकर उचित प्रबंध करें वरना बहुत बड़ी आपदा का सामना करना पड़ सकता है। लोगों ने प्रशासन से समस्या का जल्द हल कराने की मांग की है।

धौलपुर शहर में तीसरे दिन भी बाढ़ जैसे हालात

बाड़ी रोड और सैंपऊ रोड पर पानी की चादर चल रही है, कई कॉलोनियों में जलभराव से हालात खराब

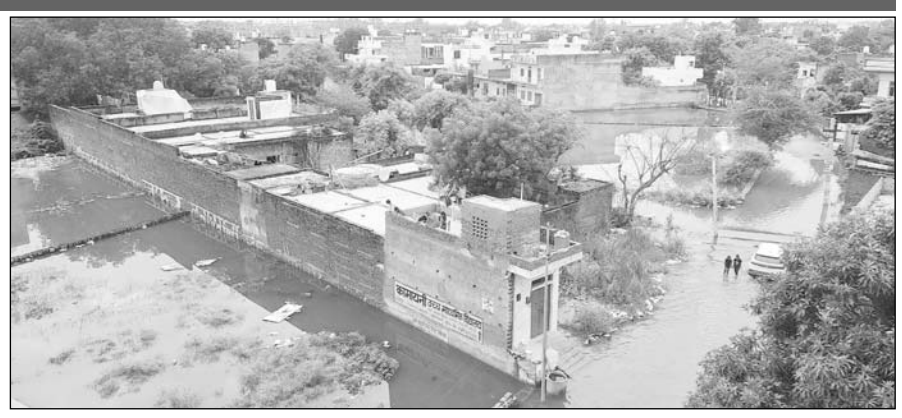

भारी बारिश के कारण धौलपुर शहर में कई कॉलोनियों में पानी भरा हुआ है।

- स्थिति ये है कि लोग पैदल तक नहीं निकल पा रहे हैं, घरों में पानी भरा, लोग घरों में कैद होने को मजबूर है

धौलपुर, (निसं)। बुधवार-गुरुवार की रात को हुई भारी बारिश के कारण धौलपुर शहर में तीसरे दिन शनिवार को भी बाढ़ जैसे हालात रहे। स्थिति ये है कि बाड़ी हाईवे पर 132 केवी के पास सड़क पर पानी की चादर चल रही है, जिससे यहां से गुजरने वाले लोगों और वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा सैंपऊ रोड और इससे जुड़े कॉलोनियों में भी पानी भरा हुआ है। वहीं पचगांव गांव और पचगांव पुलिस चौकी के बीच में भी रोड़ पर पानी की चादर चल रही है, जिससे लोगों को परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है।

अधिक बरसात होने के कारण छीतरिया ताल की भराव क्षमता पूरी हो गई और पानी ऊपर से निकल रहा है। ये पानी धौलपुर शहर में आ गया है। जिसमें बाड़ी रोड और सैंपऊ रोड पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। करीब एक दर्जन कॉलोनियों में भारी पानी भरा हुआ है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छीतरिया ताल से आए पानी की वजह से धौलपुर शहर की भोगीराम कॉलोनी, गोकुल, चंदन विहार कॉलोनी, आनंद नगर सहित जगदीश टॉकिज और सैंपऊ रोड पर स्थित करीब एक दर्जन कॉलोनी में जलभराव के हालात हैं। स्थिति ये है कि लोग पैदल तक नहीं निकल पा रहे हैं। लोगों के घरों में पानी भर गया है। लोग घरों में कैद होने को मजबूर हैं। हालात को देखकर लगता है कि लोग जिला मुख्यालय पर नहीं, बल्कि किसी अति पिछड़े गांव देहात में रह रहे हैं।

चौमूं क्षेत्र में मूसलाधार बारिश, मालेश्वर धाम के झरने चले

बरसात से सामोद के पास महार कलां स्थित मालेश्वर धाम की पहाड़ियों से नदी बहती नजर आई।

- सामोद के वीर हनुमान जी मंदिर के पास स्थिति पहाड़ों से नदियों का पानी निकल पड़ा

चौमूं/कालाडेरा/सामोद, (निसं)। चौमूं क्षेत्र में शनिवार सुबह जोरदार बारिश हुई। बारिश होने से कई जगह पर जलभराव हो गया। वहीं लोगों को जलभराव होने से भारी परेशानी हुई।

जानकारी के अनुसार चौमूं के कई गांवों में शनिवार अलसुबह से लेकर 11 बजे तक तेज बारिश हुई। क्षेत्र के गांव कालाडेरा, टांकरड़ा, सामोद, मोरिजा, हाथनोदा, चीथवाड़ी, बासां, महार, कानपुरा सहित आसपास के कई गांवों में तेज बरसात होने के समाचार मिले हैं। बरसात होने से गांवों के खेतों में पानी भर गया। बरसात से सामोद के पास स्थित मालेश्वर धाम पर जोरदार नदी आई और झरने चल गये।

नदी को देखने के लिये आसपास के कई लोग पहुंचे। वहीं मालेश्वर धाम पर भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं सामोद के वीर हनुमान जी मंदिर के पास स्थिति पहाड़ों से नदियों का पानी निकल पड़ा। वहीं शनिवार होने के कारण हनुमानजी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं वाहन चालकों को भारी परेशानी हुई। दोनों दर्शनीय स्थलों की पहाड़ियों हरियाली की चादर ओढ़े हुए है। और इन पहाडियों के मध्य से बहते बारिश के पानी से झरने बहुत ही मन मोहक लग रहे हैं। श्रद्धालु मालेश्वर धाम में भोले बाबा व सामोद पर्वत पर विराजे वीर हनुमान बालाजी महाराज के दर्शन कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना करते है।

तेज बारिश से मकान गिरा, मां-बेटी की दबने से मौत

जुरहरा थाना क्षेत्र के गांव गांवड़ी में तेज बारिश से मकान गिर गया।

कामां, (निसं)। जुरहरा थाना क्षेत्र के गांव गांवड़ी में तेज बारिश होने के कारण भरभराकर मकान गिर गया, जिसमें एक महिला और बच्ची की दबने से मौत हो गई तो वहीं एक व्यक्ति का पैर भी टूट गया और एक बच्ची की गंभीर हालत बताई जा रही है, जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जुरहरा थाना क्षेत्र के गांव गांवड़ी निवासी साजिद पुत्र फजरू का मकान बारिश होने के कारण भरभराकर गिर गया। मकान के गिरने की आवाज सुनते ही पड़ौस के लोग मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला, जिसमें साजिद की पत्नी जमशीदा और उसकी 8 माह की बच्ची की मलबे में दबने से मौत हो गई तो वहीं साजिद का भी पैर टूट गया एवं उसकी एक बच्ची की हालत गंभीर होने पर साजिद और उसकी बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साजिद के चार बच्चे बताए जा रहे हैं, जिसमें एक बच्ची की हालत गंभीर है और एक बच्चे की मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलने पर जुरहरा थाना अधिकारी और कांमा डीएसपी धर्मराज चौधरी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

खेतड़ी में बारिश से आवासीय क्वार्टरों में पानी घुसा

खेतड़ी में मूसलाधार बरसात से सड़कें पानी से लबालब हो गई।

खेतड़ी, (निसं) खेतड़ीनगर में में शनिवार को सुबह हुई डेढ़ घंटे तक बरसात में आवासीय क्वार्टरों में पानी घुस जाने से लोगों का काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने क्वार्टरों में घुसे पानी को निकालने का काफी प्रयास किया, लेकिन बरसात तेज होने के कारण पानी नहीं निकाला जा सका।

खेतड़ीनगर के आजाद मार्केट निवासी रमेश पांडे ने बताया कि सुबह पांच बजे बरसात का दौर शुरू हो गया था। पहले तो हल्की बरसात चल रही थी, लेकिन छह बजे से बरसात तेज हो गई तथा करीब डेढ़ घंटे तक बरसात होने से चारों ओर पानी जमा होने लग गया। पानी की सही तरीके से निकासी नहीं नहीं के कारण न्यू मार्केट, हाथी पार्क, आजाद मार्केट सहित आसपास के इलाके में आवासीय क्वार्टरो में पानी घुस गया। क्षेत्र में करीब डेढ़ घंटे तक मध्यम बरसात होने से सड़कें दरिया बन गई। बरसात के कारण आसपास के क्षेत्र के निचले इलाकों में पानी घुस गया, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सिंघाना के ग्रामीणों ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी, प्रभात कॉलोनी, मुख्य बाजार स्थित मुस्लिम बस्ती में पानी की सही निकासी नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तहसील रिकॉर्ड के अनुसार 13 एमएम बारिश दर्ज की गई है।

श्रीमाधोपुर सहित आसपास में सात दिन से बारिश जारी

अजीतगढ़ में दो इंच व श्रीमाधोपुर में 16 एमएम बारिश दर्ज

श्रीमाधोपुर में बारिश से गलियां लबालब हो गई।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर सहित इलाके में लगातार सात दिन से बारिश का दौर जारी है। बारिश से आमजन की दिनचर्या अस्तव्यस्त हो गई। कई इलाकों में बारिश का पानी भर गया जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्रीमाधोपुर शहर के निचले इलाकों में पंजाबी मंदिर, स्वामियों का मौला, खंडेला बाजार, लोकनाथ का मोहल्ला आदि जगहों पर नदी का रूप लेकर बरसाती पानी बह निकला।

बारिश का पानी भरने के साथ-साथ शहर की गलियां पानी से लबालब हो गई। कई घरों तथा दुकानों में बारिश का पानी घुस गया। वहीं अजीतगढ़ ब्लॉक में भी लगातार अच्छी बारिश हो रही है। अजीतगढ़ के वार्ड 04 ढ़ाणी बागवाली में घरों में बारिश का पानी घुस गया। पानी भरने के साथ ही मकानों में रखा अनाज सहित अन्य सामान खराब हो गया। लोग घरों से बारिश का पानी निकालते हुए नजर आये। वार्ड के बजरंग लाल, सुरेश प्रजापत, सोहनलाल प्रजापत, नरेंद्र प्रजापत के मकानों में काफी पानी घुस गया। तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा ने बताया कि श्रीमाधोपुर ब्लॉक में शनिवार को 16 एमएम तथा अजीतगढ़ ब्लॉक में 52 एमएम (दो इंच) बारिश दर्ज की गई।

देवली: कॉलोनियां जलमग्न

देवली, (निसं)। शनिवार को शहर में बारिश का दौर फिर से शुरू हुआ जो चंद घंटे तक चलता रहा यहां रुक रुककर हुई बारिश से शहर के अधिकांश इलाकों के गली-मोहल्लों में पानी भर गया। शनिवार को दोपहर में एक रफ्तार से जमकर बारिश हुई, जो चंद मिनटों बाद धीमी पड़ गई। वहीं इसके बाद हल्की बारिश शुरू हुई जो चंद घंटे तक चलती रही। धीमी और तेज गति से हुई बारिश से सब तरफ पानी भर गया। इस दौरान कई घरों व दुकानों में गंदे नालों का पानी चला गया।

करौली में साढ़े छह इंच बारिश, पांचना बांध के पांच गेट खोले

पांचना बांध के पांच गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है।

- पांचना बांध के पांच गेट खोलकर 20 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है
- तेज बारिश के कारण एक पुराना मकान सहित कई जगह पर चार दीवारी भी ढह गई

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित क्षेत्र में शनिवार प्रात: से ही मूसलाधार बारिश का दौर शुरू हो गया, जिसके चलते करौली शहर को जोड़ने वाले चार प्रमुख मार्गों में से तीन मार्गों में जलभराव हो जाने से लोगों का आवागमन बंद हो गया। वहीं निचली बस्तियों में मकानों एवं दुकानों में पानी भर गया तो वहीं कई सार्वजनिक स्थानों की चार दीवारी ढह गई।

जिला मुख्यालय पर तीन घंटे में साढ़े छह इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मूसलाधार बारिश के चलते जिले के सबसे बड़े बांध पांचना में भी पानी की तेजी से आवक हो रही है। बांध में तेजी से जलस्तर बढ़ने के कारण पानी निकासी की मात्रा में वृद्धि की है। बांध के पांच गेट खोलकर 20 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। पांचना बांध के गेट नंबर 2, 3, 4, 5 और 6 को खोलकर 20 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। जबकि पहले 4000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही थी। तेजी से जलस्तर बढ़ने पर करीब 2:30 बजे पानी कि निकासी को बढ़ाकर 8000 क्यूसेक और 3:00 बजे बाद बढ़ाकर पांच गेट खोलकर 16 हजार क्यूसेक कर दिया। बांध के बढ़ते जलस्तर और लगातार तेजी से पानी कि आवक के कारण निकासी की मात्रा में वृद्धि की है। जल संसाधन विभाग के अधिकारी बांध पर नजर बनाए हुए है।

तेज बारिश से कई स्थानों पर जलभराव हो गया। तेज तो कभी धीमी बारिश के चलते प्रात के समय लोगों कि दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हुई। स्कूली बच्चे और अध्यापक बारिश में भीगते और बचाव करते हुए स्कूल पहुंचे। तेज बारिश के कारण सड़कों पर जगह-जगह पानी बहने लगा है। कई कॉलोनी, मोहल्ले के प्रवेश मार्ग पर जलभराव से परेशानी होने लगी। वहीं कई क्षेत्रों में जलभराव होने से मोटरसाइकिल सवारों और टेंपो का आवागमन प्रभावित हो गया। तेज बारिश के कारण वृंदावन मैरिज गार्डन की दीवार गिर गई। मैरिज गार्डन से पास एक पुराना मकान भी ढह गया। इसी प्रकार से सीताबाड़ी में भी एक पाटोर पोश मकान की दीवार गिर गई। हालांकि जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

इसी प्रकार वार्ड नंबर 44 में डांगरिया तालाब के ओवरफ्लो होने के चलते उसकी पाल तोड़कर पानी की निकासी की गई एव माथुर स्टेडियम कि बाउंड्री, पावर हाउस की चारदीवारी ढह गई। करौली-मंडरायल मार्ग स्थित कई कॉलोनी में जलभराव से लोगों में आक्रोश है। आक्रोशित क्षेत्रवासियों ने करौली-मंडरायल मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया और जल निकासी के मार्ग में हो रहे अतिक्रमणों को हटाने की मांग की। जाम और प्रदर्शन की सूचना पर मंडरायल एसडीएम बृजेश गुप्ता मौके पर पहुंचे और समझाइश कर जाम खुलवाया। साथ ही क्षेत्रवासियों को जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। करौली में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के दौर के कारण नदी-नाले, बांध-तालाब में बड़ी मात्रा में पानी की आवक हुई है। पानी की आवक के कारण तालाब से लगातार ओवरफ्लो हो रहा है।